हँसी के फूल

★ **सविता :** तुम्हारा हनीमून कैसा रहा ?

निशा : अरे क्या बताऊँ, रास्ते में पानी लेने उतरे और गाड़ी चल दी । वह स्टेशन पर ही रह गए ।

सविता : मैं समझ रही हूँ तुम्हारी पीड़ा । इतने लम्बे सफर में तुम्हें प्यासा रहना पड़ा ।

★★★

★ **ग्राहक :** क्या आप पासपोर्ट साइज में मेरा ऐसा फोटो खींच सकते हैं जिसमें मेरी सिर और जूते दोनों नजर आएँ ।

फोटोग्राफर : क्यों नहीं, क्यों नहीं। आप अपने जूते सिर पर रखकर बैठ जाइए ।

★★★

★ एक कवि ने जब रिवाल्वर खरीदा तो दोस्तों को बड़ा आश्चर्य हुआ । एक मित्र द्वारा कारण पूछने पर उन्होंने बताया - आजकल कोई आसानी से मेरी कविता सुनना ही नहीं चाहता। इसीलिए रिवाल्वर खरीदना पड़ा ।

★★★

★ **पत्नी ने पति से कहा :** इस साल रामलीला में मैं सीता का रोल करूँगी ।

सुनकर पति ने कहा : तुम्हारा भारी शरीर देखकर तो रावण भी तुम्हें हरण करने से इन्कार कर देगा ।

★★★

★ **अध्यापक :** मोहन, कोई ऐसा उपाय बताओ कि आदमी के बाल सफेद न होवें ।

मोहन : उस आदमी को गंजा कर दो ।

★★★

★ **राजू (परीक्षा भवन में अध्यापक से) :** आज क्या तारीख है सर?

अध्यापक : अरे तुम तारीख की चिंता मत करो, बस फटाफट अपना पर्चा हल करो ।

राजू : निराश मत कीजिए सर मैं कम से कम एक बात तो सही लिखना चाहता हूँ ।

★★★

★ **संजय :** हाल ही में पैदा हुआ तुम्हारा भाई इतना रोता क्यों हैं?

अजय : बात यह है कि अगर तुम्हारा एक भी दाँत न हो, सिर गंजा हो, पैर इतने कमजोर हो कि तुम खड़े भी न हो सको ऐसी हालत में मेरा ख्याल है कि तुम्हें भी रोना आएगा ।

यादगार नग़मे

फिल्म : **छोटे बाबू**

नन्हें बच्चों आने वाले कल की तुम तस्वीर हो
नाज करेगी दुनिया तुम पर दुनियां की तकदीर हो...
तुम हो किसी कुटिया के दीपक जग में उजाला कर दोगे
भोली भोली मुस्कानों से सबकी झोली भर दोगे
हंसते चलां जमाने में तुम चलता हुआ एक तीर हो, नाज
नाम न लेना रोने का तुम रोतों को हसाने आये हो
नहीं रूठना कभी कि तुम रूठों को मनाने आए हो
जो रूठी तकदीर बदल दे, तुम ऐसी तकदीर हो, नाज करेगी...

एक दिन होंगे आसमां चांद सितारे हाथों में
तोड़ सकें न दुश्मन जिनको तुम ऐसे जंजीर हो,
नाज करेगी...

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ सहित... समता परिवार

Monthly ₹ 400 to ₹ 5000

२०११ जुलाई साल के प्रोत्साहक अनुदान प्राप्त करने के लिए रजिस्ट्री किए हुए सभी सदस्य अध्यापकों को खुशी से निवेदन है कि आप सबके नाम फरवरी **समता हिन्दी** मैगजीन में छाप दिया जाएगा । और सभी प्रकार के विषय प्रत्येक किताबों के द्वारा भेज दिया जाएगा ।

सूचना : All the Teachers (all private & govt. inservice teachers only) can submit their applications(Page No. 8) on or before **15th Jan, 2011** to avail their PROTHSAHAK ANUDAAN from July 2011.

SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG
Gunadala, VIJAYAWADA-520 004.
Ph : 0866-2451611, 98483 52011.

Good Opportunity to Teachers

₹500/- to ₹4,000/-

All the in-service (Govt. & Private) Teachers only can apply on or before 30-12-2010.

సమతా హిందీ ప్రచార విభాగ్ గత 22 సం॥లుగా హిందీ భాషా ప్రచార ప్రసారంలో తన వంతు ప్రయత్నాన్ని కొనసాగిస్తూ, ఎందరో విద్యార్థినీ, విద్యార్థులకు రాష్ట్రీయ హిందీ పరీక్షల ద్వారా ప్రోత్సాహం అందించుచున్నది. నేడు దేశంలోని 5 రాష్ట్రాలలో తన ఉనికిని చాటుచున్నది. ఈ హిందీ విజయోత్సవ ఫలాలను ప్రతి పాఠశాలలోని హిందీ సజ్జనులకు అందించవలయునని విభాగ్ సత్‌సంకల్పించినది.

హిందీ టీచర్లకు మరియు శిక్షక్ సజ్జనుల నుండి రీజనల్ ఆర్గనైజర్‌గా అప్లికేషన్స్ కోరబడుచున్నవి. హిందీ యెడల అభిమాన్నమున్నవారును (in-service) అప్లయ్ చేసుకొనగలరు. ఉపాధ్యాయని, ఉపాధ్యాయులు వారి వారి ఉద్యోగ బాధ్యతలు నిర్వహిస్తూనే, హిందీ కార్యకలాపములందు పాల్గొను టీచర్లందరికి రీజనల్ ఆర్గనైజర్ ప్రోత్సాహక అనుదాన్‌కు (రూ. 500/- నుండి రూ. 4000/-) ప్రతినెలా ఎంపిక చేయబడును. అప్లయ్ చేయగోరు ఉపాధ్యాయులందరు వారి రెండు పాస్ట్‌పోర్ట్ సైజు ఫొటోలు, మరియు పూర్తి వివరములతో ఈ క్రింది ఆర్.ఓ. ఫామ్‌ను పూర్తి చేసి వెంటనే మా చిరునామాకు పోస్ట్ చేయగలరు.

రిజిస్టర్ చేసుకొనదలచిన ఉపాధ్యాయులందరూ ఈ క్రింది ఫారమ్‌ను పూర్తిచేయుటతో పాటు, తమ పేరు, చిరునామా వివరాలను ఎస్.ఎమ్.ఎస్. ద్వారా కూడా 9440660126 కు పంపకోరుచున్నాము.

All the teachers are requested to send their information through SMS and also through this below application. Cell No. : 9440660126

అప్లయ్ చేసుకున్న ఉపాధ్యాయునీ, ఉపాధ్యాయుల పేర్లు నవంబరు మాసపత్రికలో ముద్రించగలము.

SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG

(Regd. by the Govt. of India)

Central Office Buildings, Opp. Boarding, Gunadala, VIJAYAWADA-520 004.

Ph : (0866) 2451611, 2440112 Mobile : 09848352011. e-mail : samatahindi@yahoo.com

REGIONAL HINDI OFFICER APPLICATION FORM (No.1)

Application No. ____________

PLEASE FILL IN THE APPLICATION FORM COMPLETE IN BLOCK LETTERS

Teacher's Name ________________________________

Date of Birth : ______________ **Ph :** ______________ **Mobile :** ______________

Name (Father/Spouse) Mr./Mrs. ________________________________

School Name ________________________________

Regd. for the Month ______________ **Date** ______________

School Address	**Residence Address**

Signature of the Teacher ______________

जीवन में खेल कूद का महत्व

खेल-कूद किसे कहते है, यह बढ़ाने की आवश्यकता नहीं। खेल कूद अनेक प्रकार के होते हैं। आधुनिक युग में इनके प्रति लोगों में रुचि बढ़ने लगी हैं। कुछ खेल तो इतने अधिक लोकप्रिय हो गए हैं कि लोग उनको टी.वी. पर देखने अथवा रेडियो पर उनकी कमेण्ट्री सुनने के लिए व्याकुल रहते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि खेलकूद का शौक, शुगल, मनोरंजन के रूप में हो या हाबी अथवा व्यवसाय के रूप में इनका बड़ा महत्व हैं ।

खेल-कूद व्यक्ति में अनेक उत्तम गुणों का विकास करते हैं। इनसे शरीर चुस्त, फुर्तीला और बलिष्ठ होता हैं। शारीरिक क्षमताओं के विकास हेतु खेलों से बढ़कर अन्य कोई साधन नहीं। सुडौल और पुष्ट शरीर खेलों का उपहार हैं। स्वास्थ्य रक्षा और सशक्त शरीर के लिए खेल कूद अनिवार्य है। शरीर का श्रम सामर्थ्य इन्हीं पर निर्भर है। खेल-कूद शरीर को स्फूर्तिमय बनाने के साथ साथ अनेक सामाजिक, मानसिक एवं देशभक्ति से सम्बद्ध गुणों का विकास करते हैं। कुछ उदाहरण हैं - पारस्परिक सहयोग, मैत्रीभाव, टीम भावना, लगन, साहस, धैर्य, न्यायप्रियता, उत्साह, कर्त्तव्य निष्ठा, स्वाभिमान, लक्ष्यपूर्ति के लिए निरन्तर प्रयास, पराजय से निराश न होना, विजय पराजय दोनों के प्रति एक सी प्रतिक्रिया और निरन्तर आगे बढ़ते रहने का संकल्प। उपरोक्त गुण दुर्लभ हैं और चरित्र के निर्माण व जीवन की सफलता में इनकी विशिष्ट महत्ता हैं ।

खेल-कूद का सर्वोत्कृष्ट योगदान स्पोर्ट्समैनसिप है। स्पोर्ट्समैनसिप की धारणा व्यापक है जिसके अधीन खेल के प्रति समर्पण खेल में निष्पक्षता, न्याय और हारजीत दोनों का समान भाव से ग्रहण करना और अपने प्रतिद्वन्द्वी के प्रति सहज मैत्री भाव की भावनाएँ सम्मिलित हैं। एक सच्चा स्पोर्ट्समैन अर्थात् खिलाड़ी खेल को गरिमा प्रदान करता है और खेल में पूरी ईमानदारी बरतता है. वह खेल में निष्पक्ष रहता है और न्याय मार्ग का अनुसरण करता है। वह न हारने पर चिढ़ता और रोता है और न जीतने पर हर्ष प्रकट करता है। वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है। वह अपने प्रतिद्वन्द्वी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर उसे मुक्त कण्ठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास नहीं फटकने देता । वह कभी भी ओछा वार नहीं करता । ये सब चारित्रिक गुण उसके जीवन में बहुत काम आते हैं ।

खेलकूद में अनुशासन का पालन अति आवश्यक है। इसके बिना खेल चल ही नहीं सकता। टीम के कप्तान अथवा रेफ्री के आदेश या निर्णय को स्वीकार करना सच्चे खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ लक्षण हैं। खेल के मैदान में सीखा गया अनुशासन जीवन में सफलता की कुंजी बन जाता है। यह अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्रीय

Importance of Sports in Life

There is no need to state what sports the word 'sports' refers to. They have several forms. In the modern era, the interest of people has increased in sports. Some games are so popular that people are always eager to watch themon the television or listen to the commentaries of these games on radio. But remember that the hobby of sports could be a pastime or entertainment but they arc very important. Sports develop many good qualities in a person. Due to these, the body becomes agile, swift and strong. There is no better mode than sports to develop the physical abilities. For a sturdy body and health care, sports and games arc mandatory. The capacity to do hard labour depends upon these. Besides making the body active and energetic, sports and games develop many social, psychological and patriotic qualities. Some examples are mutual cooperation, feeling of understanding, team spirit, dedication, courage, perseverance, love for justice, zest, dedication, incessant efforts for achieving, one's objectives, control over desperation due to defeat, same reaction on victory and defeat and a determination to strive ahead continuously.

The aforementioned qualities are rare and they have special importance in building one's character and ensuring success in one's life. The most superior contribution of sports and games is sportsmanship. The concept of sportsmanship is wide, which encompasses the following-dedication to the game, lack of any bias during the game, accepting victory or defeat with the same face and a feeling towards the competitor. A true sportsman gives dignity to the game and is absolutely during its course. He remains unbiased during the game and treads the path of justice. He does not cry if he is defeated; nor does he express ,jubilation if he. wins. He knows that game leads to victory at some time and to defeat at some other. He openly praises the good game of his opponent; he congratulates him wholeheartedly if the latter wins and does not let the feeling of hatred come near him. He never hits below the belt. All these qualities of character help him a lot during his lifetime. During the courses of sports and games, it is very important to follow the code of discipline. The game cannot proceed sans discipline. Acceptance of the order or decision of the team's captain or referee is the best sign of a true sportsman. The code of discipline learned

और सामाजिक जीवन में अनुशासन की कितनी महत्ता है, यह बताने की आवश्यकता नहीं। अनुशासन का पाठ खेल के मैदान में सरलता से सीखा जा सकता है ।

खेलकूद का एक अन्य वरदान टीम स्प्रिट का विकास हैं। टीम स्प्रिट का आशय यह है कि हर खिलाड़ी अपने पृथक-पृथक व्यक्तित्व को टीम के व्यक्तित्व में विलीन कर दे । टीम का हर खिलाड़ी सम्पूर्ण टीम के लिए खेलता है, अपने लिए नहीं। ऐसे खेलों में हार या जीत टीम की होती है, किसी एक खिलाड़ी की नहीं। अतः हर खिलाड़ी टीम की प्रतिष्ठा के लिए और उसकी विजय के लिए पूरी लगन से प्रयत्न करता हैं।

वस्तुतः खेल का मैदान प्रशिक्षण स्थल होता है, जहाँ खिलाडी अनेक उत्तम गुणों को सीखता और उनका अभ्यास करता है। यही श्रेष्ठ गुण जीवन में काम आते हैं। एक व्यक्ति का सम्पूर्ण जीवन खेल की एक बाजी जैसा होता है, जिसमें उसे कई चुनौतियों का सामना करना होता है। इन गुणों की सहायता से इन चुनौतियों का सामना करके सफलता प्राप्त करना सरल हो जाता है। किसी ने ठीक ही कहा है कि खेल का मैदान उत्तम सदगुणों की स्थायी छाप छोड़ता है। यह ऐसा ढांचा है, जिसमें चरित्र के खुरदरे पक्ष समाप्त हो जाते हैं और श्रेष्ठ पक्षों का निखार होता हैं । ✤✤✤✤

on the sports ground becomes the key to success in life. This discipline paves the way for progress in every field of life. progress in every field of life. There is not need to describe him important discipline is in the national and social lives. The lesson of discipline can be easily learned in the playground.

Another boon of sports and games is the development of team spirit. The meaning of team spirit is that every player should merge his or her individual personality into the personality of the team. Every player of the team plays for the entire team and not for himself. In such games, the team wins or loses and not a single player. Hence, every player make efforts with complete dedication for his the honour and victory of his team.

In fact, the playground is a training arena, where one can learns many qualities and practices them. These very good qualities help throughout his life. The entire life of a person is like a game in which, he has to face many challenge. With the help of these qualities, it becomes easy to face these challenges and succeed. Someone has lightly said, "The playground leaves a permanent imprint of virtues." it is a structure in which, all the rough facets of one's character are eliminated and superior facets become prominent and polished. ✤✤✤

हिन्दी - तद्भव

अनेक कारणों से, जिनका विवेचन पिछले प्रकरण में किया गया है, संस्कृत प्राकृत आदि की ध्वनियाँ घिस-पिट कर हिन्दी तक आते आते परिवर्तत हो गयी हैं। परिणामतःपूर्ववर्ती आर्यभाषाओं के शब्दों के जो रूप हमें प्राप्त हुए है, उन्हें तदभव कहा जाता है। हिन्दी प्रदेश की बोलियों में आनुपातिक दृष्टि से सबसे अधिक संख्या तद्भव शब्दों की है। कोई शब्द कोश उठा कर देखिए, अथवा देखिए (प्रकरण ६) संक्षिप्त तद्भव कोश। ध्वनि-विकास के प्रकरण में इन शब्दों का इतिहास दिया जा चुका है। सहित्य में भी १६वीं शती से पहले तद्भव शब्दों की ही प्रधानता थी। सच तो यह है कि तब एक जनभाषा ही साहित्यिक भाषा थी। खड़ीबोली की प्रतिष्ठा के साथ हिन्दी में कृत्रिमता और पंडिताऊपन का प्रवेश होता है। कबीर, जायसी, तुलसी, बिहारी, भारतेन्दु, महावीरप्रसाद द्विवेदी, प्रसाद और पंत की भाषा में तद्भव शब्दों का क्रमिक ह्रास स्पष्ट लक्षित होता है। आज की परिनिष्ठित हिन्दी शब्द भण्डार की दृष्टि से है ही तत्सम रूप प्रधान। फिर भी शैली की विविधता और वातावरण की अनुकूलता के नाते तद्भव शब्दों का व्यवहार बराबर होता रहा है, कोई शब्द अव्यवहार्य नहीं हो गया। कभी कभी अर्थभेद के कराण शब्द के तत्सम और तद्भव दोनों रूप अनिवार्य से हो गये है, जैसे - आत्मा और आप, गर्भिणी औह गाभिन, चक्र और चाक, रश्मि और रस्सी, वंश और बाँस, स्थान और थान ।

हिन्दी के प्रायः सभी सर्वनाम तद्भव है। संज्ञापदों की संख्या सबसे अधिक है, किन्तु इनका व्यवहार देश, काल, पात्र आदि के अनुसार थोड़ा बहुत घटता बढ़ता रहता है। क्रियापद भी प्रायः सभी तद्भव है, परन्तु साहित्यिक या उच्च हिन्दी में इनका स्थान करना, होना क्रिया के साथ संस्कृत का कृदन्त रूप ले लेता है, जैसे परिचित होना (जानना), स्वीकार करना (सकारना, मानना), हासमान होना (घटना), विकृत करना (बिगाड़ना), उल्लंघन करना (लाँघना), आदि। भारतेन्दु युग से पहले की साहित्यिक हिन्दी में ठेठ क्रियापदों का प्राचुर्य है। यह सच है कि विशेषणों के लिए हिन्दी को संस्कृत का मुँह ताकना पड़ा है - संस्कृत में विशेषण पदों का निर्माण भी सहज में हो जाता है। तद्भव विशेषण हिन्दी में कम है। अव्ययों में **यहाँ**, **वहाँ**, **कहाँ**, **अब**, **तब**, **जब**, **कब**, **चाहे**, **मानो**, **तक ज्यों**, **क्यों**, **आगे**, **पीछे**, **नीचे**, **ऊपर**, **फिर**, **कैसे**, **जैसे**, **ऐसे**, **वैसे**, **तो ही**, **भी**, **और** आदि शब्द कभी स्थान नहीं किये जा सकते। **तथा**, **यथा**, **अतः**, **पुनः** आदि कुछ संस्कृत अव्यय शैली के लिए व्यवहृत होते है। यदि का तद्भव रूप जे नहीं चल सका। ✤✤✤

CURRENT AFFAIRS

డిసెంబర్ 1-15 వరకు తేదీలవారీ సంఘటనలు

అంతర్జాతీయం

★ **డిసెంబర్ 1 :** ఈజిప్టు పార్లమెంట్‌కు జరిగిన ఎన్నికల్లో హోస్నీ ముబారక్ నేతృత్వంలోని జాతీయ ప్రజాస్వామ్య పార్టీ (ఎన్‌డిపి) విజయం సాధించింది.

★ **డిసెంబర్ 3 :** పాకిస్తాన్ అణు పితామహుడు అబ్దుల్ ఖాదీర్ ఖాన్ గృహ నిర్బంధం నుంచి విడుదలయ్యారు. ఆయన 2004 నుంచి నిర్బంధంలో ఉన్నారు.

★ **డిసెంబర్ 4 :** వియత్నంలోని హరాంగ్‌లో జరిగిన మిస్ ఎర్త్-2010 పోటీల్లో భారతదేశానికి (బెంగళూరు)కు చెందిన నికోల్ ఫారియా విజేతగా నిలిచింది.

★ **డిసెంబర్ 4 :** ఫ్రాన్స్ అధ్యక్షుడు నికోలస్ సర్కోజి 4 రోజుల భారత పర్యటనకు విచ్చేశారు. ఈయన భారత అణు కార్యక్రమానికి మద్దతు ప్రకటించారు.

మలేషియాన్ ఇండియా కాంగ్రెస్ అధ్యక్షుడు సెమి వెల్లు దిగిపోయారు. ఆయన ఈ పదవిలో 31 సంవత్సరాల నుండి ఉన్నారు. ఆయన స్థానంలో పలనివెల్ అధ్యక్షునిగా నియమితులు కాగా, మానవ వనరుల మంత్రి డా॥ సుబ్రహ్మణియన్ ఉపాధ్యాక్షునిగా నాయమితులయ్యారు.

★ **డిసెంబర్ 6 :** 2006 నోబెల్ శాంతి బహుమతి గ్రహీత సూక్ష్మరుణ పంపిణీ కార్యకలాపాలను నిర్వహిస్తున్న మహ్మద్ యూనస్‌కు చెందిన గ్రామీణ బ్యాంక్ నుండి రూ.450 కోట్లను ఆయన సారధ్యంలోని స్వచ్ఛంద సంస్థ గ్రామీణ కళ్యాణ్‌కు బదిలీ చేయడంపై బంగ్లాదేశ్‌లోని షేక్ హసీనా ప్రభుత్వం విచారణకు ఆదేశించింది. పన్ను ఎగవేతకే నిధులు బదిలీ చేశారని ప్రభుత్వం ఆరోపించింది.

★ ఆసియా-2020 సవాళ్ళు అనుఅంశంపై టైమ్స్ నిర్వహించిన వ్యాస రచన పోటీలో డ్రెహాదూన్‌కు చెందిన సరబ్‌జిత్‌సింగ్ ప్రథమ బహుమతి గెలుపొందారు.

★ గల్ఫ్ కోఆపరేషన్ కౌన్సిల్ సమావేశాలు అబుదాబిలో ప్రారంభమైనాయి.

★ **డిసెంబర్ 7 :** పలు కీలకాంశాలను వెలికితీస్తూ అమెరికా ప్రభుత్వాన్ని సమస్యల్లోకి నెడుతున్న వికీలీన్స్ అధినేత. జూలియన్ అసాంజ్‌ను లండన్ పోలీసులు అరెస్టు చేశారు.

★ **డిసెంబర్ 9 :** సేవా కార్యక్రమాల నిర్వహణ కోసం జూన్‌లో వారెన్ బఫెట్, బిల్‌గేట్స్ స్థాపించిన గివింగ్ ప్లెడ్జ్ కార్యక్రమంలో మరో 17 మంది అమెరికన్ కోటీశ్వరులు చేరడంతో ఈ కార్యక్రమంలో చేరిన కోటీశ్వరుల సంఖ్య 57కు చేరింది.

★ **డిసెంబర్ 10 :** నోబెల్ శాంతి పురస్కార ప్రధానోత్సవం నార్వే రాజధాని ఓస్లోలో జరిగింది. దాదాపు 70 ఏళ్ళ తర్వాత బహమతి గ్రహీతగానీ, ఆయన ప్రతినిధులు గానీ హాజరు కాకుండా బహుమతి ప్రదానం చేశారు.

జాతీయం

★ **డిసెంబర్ 1 :** సెంట్రల్ బ్యూరో ఆఫ్ ఇన్వెస్టిగేషన్ నూతన డైరెక్టర్ జనరల్‌గా అమర్ ప్రతాప్‌సింగ్ నియమితులయ్యారు. ప్రస్తుత డైరెక్టర్ అశ్విని కుమార్ పదవీ విరమణ చేయడంతో ఆయన స్థానంలో ఈ నియామకం జరిగింది.

★ **డిసెంబర్ 2 :** గౌతమ్ ఘోష్ రూపొందించిన మోనార్ మనుష్ చిత్రానికి 41వ జాతీయ అంతర్జాతీయ చలన చిత్రోత్సవంలో గోల్డెన్ పీకాక్ అవార్డు లభించింది. 19వ శతాబ్దానికి చెందిన లాలన్ ఫకీర్ కథ ఆధారంగా దీనిని రూపొందించారు. పదేళ్ల తరువాత భారత్‌కు అవార్డు దక్కడం ఇదే ప్రథమం. ముగింపు రోజున బ్రిటన్ చిత్రం వెస్ట్ ఇన్ ద వెస్ట్ చిత్రాన్ని ప్రదర్శించారు.

సైనిక దళ ఉప ప్రధానాధికారికగా శతఘ్నిదళ సీనియర్ అధికారి లెఫ్టినెంట్ జనరల్ ఎ.ఎస్. లాంబ నియమితులయ్యారు.

★ **డిసెంబర్ 3 :** పోలండ్‌లో వివోడా అంతర్జాతీయ కప్‌ను గెలుచుకుని మూడో నార్మ్ సాధించిన చెన్నయ్‌కు చెందిన పనిప్పన్ సేతురామన్ భారత్‌లో ప్రస్తుత పిన్న వయసు గ్రాండ్ మాస్టర్‌గా అవతరించాడు. పరిమార్జన్‌నేగి రికార్డును ఆయన 16 రోజుల తేడాతో అధిగమించాడు.

ఆరు రాష్ట్రాలలో హరిత విప్లవాన్ని విస్తరించాలని కేంద్ర ప్రభుత్వం నిర్ణయించింది. అందుకోసం బీహార్, ఛత్తీస్‌గఢ్, జార్ఖండ్, ఉత్తరప్రదేశ్, ఒరిస్సా, పశ్చిమ బెంగాల్‌లకు రాష్ట్రీయ కృషి వికాస యోజన కింద 400 కోట్ల రూపాయలు కేటాయించినట్లు కేంద్ర వ్యవసాయశాఖ మంత్రి శరత్ పవార్ తెలిపారు.

★ భారత అత్యున్నత దర్యాప్తు సంస్థ సిబిఐ వెబ్‌సైట్‌ను హ్యాక్ చేసినట్లు పాకిస్తాన్ సైబర్ ఆర్మీ ప్రకటించింది. తమ వెబ్‌సైట్ హ్యాకింగ్‌కు ప్రతీకారంగా దాడిచేసినట్లు ప్రకటించారు.

★ **డిసెంబర్ 5 :** యాహూ ఇండియా 2010 వార్తల్లో వ్యక్తిగా ప్రముఖ బాలీవుడ్ నటి కత్రీనా కైఫ్ మొదటి స్థానంలో నిలవగా, మాస్టర్ బ్లాస్టర్ సచిన్ టెండూల్కర్ ద్వితీయ స్థానంలో నిలిచారు.

★ **డిసెంబర్ 6 :** ఫ్రాన్స్ అధ్యక్షుడు నికోలస్ సర్కోజి భారత పర్యటన సందర్భంగా ఇరుదేశాల మధ్య 7 ఒప్పందాలు జరిగాయి.

★ **డిసెంబర్ 7 :** ప్రతిష్ఠాత్మక హోమీ జె. బాబా పురస్కారానికి అణుశక్తి కమిషన్ మాజీ ఛైర్మన్ అనిల్ కకోద్కర్‌కు ఎంపిక చేశారు. జనవరి 17న జరిగే ఇండియాన్ న్యూక్లియర్ సొసైటీ 21వ వార్షికోత్సవ సమావేశంలో ఈ అవార్డు ప్రధానోత్సవం జరుగుతుంది.

★ **డిసెంబర్ 9 :** ప్రసార భారతి సీఈవో బి.ఎస్. లల్లీసింగ్‌ను పరిపాలన, ఆర్థికపరమైన అవకతవకల అభియోగాలపై విచారణ జరిపేందుకు రాష్ట్రపతి ప్రతిభాపాటిల్ అంగీకరించారు.

★ స్పెక్ట్రమ్ కుంభకోణంపై విచారణ జరిపేందుకు సుప్రీంకోర్టు మాజీ న్యాయమూర్తి జస్టిస్ శివరాజ్ పాటిల్ నేతృత్వంలో ఏకసభ్య కమిటీని కేంద్ర ప్రభుత్వం నియమించింది. 2001-09 మధ్యకాలంలో లైసెన్సుల కేటాయింపుల, స్పెక్ట్రమ్ కేటాయింపులు తదితర అంశాలపై ఈ కమిటీ విచారణ జరుపుతుంది.

★ **డిసెంబర్ 10 :** అంతర్జాతీయ ప్రధాన న్యాయమూర్తుల సదస్సు లక్నోలో ప్రారంభమైంది. ఐదు రోజుల పాటు జరిగే ఈ కార్యక్రమంలో 70 దేశాలకు చెందిన ప్రధాన న్యాయమూర్తులు, న్యాయనిపుణులు, సామాజిక కార్యకర్తలు పాల్గొన్నారు.

★ భారత జాతీయ ఇంజినీర్ల అకాడమీ వార్షిక సదస్సు విశాఖలో జరిగింది. ఈ సమావేశాల్లో ఇంజినీరింగ్‌లో జీవిత సాఫల్య పురస్కారాలను ప్రధానమంత్రి సాంకేతిక సలహాదారు శ్యామ్ పిట్రోడ ఎం.ఎస్. శ్రీనివాసన్‌లకు ప్రకటించారు.

★ **డిసెంబర్ 11 :** ఆసియా ఫసిఫిక్ ఇంధన వనరుల సదస్సు 2010 హైదరాబాద్‌లో ప్రారంభమైంది. దాదాపు12ఏళ్ళ తర్వాత ఈ సదస్సు ఇండియాలో జరుగుతుంది.

క్రీడలు

★ **డిసెంబర్ 1 :** మహిళల టెన్నిస్ సంఘం అందించే మేటి క్రీడాకారిణి పురస్కారం యు.ఎస్.ఓపెన్ డిఫెండింగ్ ఛాంపియన్ కిమ్ క్లియస్టర్స్‌కు లభించింది.

★ **డిసెంబర్ 2 :** 2010 ఫిఫా ప్రపంచకప్ రష్యాలోనూ, 2022 ఫిఫా ప్రపంచకప్‌ను ఖతార్‌లో నిర్వహిస్తున్నట్లు ఫిఫా అధ్యక్షుడు సెప్‌బాట్లర్ ప్రకటించారు.

★ **డిసెంబర్ 3 :** భారత్ న్యూజిలాండ్‌ల మధ్య జరిగిన మూడవ క్రికెట్ మ్యాచ్‌లో భారత్ 9 వికెట్ల తేడాతో గెలిచి సిరీస్ కైవసం చేసుకుంది.

★ **డిసెంబర్ 3 :** భారత్, పాక్, టెన్నిస్ ద్వయం రోహన్ బోపన్న, ఐజాముల్ హక్ ఖురేషీలకు మొనాకో సంస్థ స్పోర్ట్స్ అండ్ పీస్ అవార్డు అందజేసింది.

★ **డిసెంబర్ 5 :** స్వీడన్‌కు చెందిన రికార్డ్ కార్ల్‌బెర్గ్ న్యూఢిల్లీలో ముగిసిన ఇండియన్ ఓపెన్ గోల్ఫ్ టైటిల్‌ను గెలుపొందారు.

★ **డిసెంబర్ 5 :** టర్కీలో జరిగిన ప్రపంచ యూత్ చెస్ ఒలింపిక్స్‌లో ఆర్మేనియా స్వర్ణపతాకం, భారత్,రష్యాలు తరువాతి స్థానాల్లో నిలిచాయి.

★ **డిసెంబర్ 7 :** బెంగుళూరులో న్యూజిలాండ్‌తో జరిగిన క్రికెట్ సిరీస్‌లో నాలుగో వన్డేను భారత్ గెలుచుకుంది. జట్టును విజయపథంలో నడిపిన ఆల్ రౌండర్ యూసఫ్ పటాన్‌ను మ్యాన్ ఆఫ్ ద మ్యాచ్ వరించింది.

నోబెల్ కు పోటీగా చైనా శాంతి బహుమతి

★ నోబెల్‌కు పోటీగా చైనా శాంతి బహుమతిని నెలకొల్పింది.

★ ఆ దేశ ప్రాచీన తత్వవేత్త కన్ఫ్యూసియస్ పేరు మీద దీన్ని ఏర్పాటు చేశారు.

★ తొలిసారిగా తైవాన్ మాజీ ఉపాధ్యక్షుడు లియోన్‌చాన్‌కు డిసెంబర్ 8న అందజేసింది.

★ చైనాలో ప్రజాస్వామ్య సంస్కరణలు కోరుతూ 11 ఏళ్ళ జైలుశిక్షకు గురైన ఉద్యమకారుడు లీయుగ్జియావోబోకు నోబెల్ శాంతి బహుమతిని ప్రకటించడంపై చైనా నిప్పులు చెరిగిన విషయం తెలిసిందే.

★ గ్జియావోబోకు డిసెంబర్ 9న స్వీడన్‌లో బహుమతి ప్రదానం చేయనున్న దృష్ట్యా దానికి పోటీగా ఒకరోజు ముందే కన్ఫ్యూసియస్ బహుతిని బహూకరించింది.

★ తైవాన్‌కు, చైనాకు మధ్య స్నేహపూర్వక సంబంధాలకు ఆయన వారధిగా నిలిచారని పేర్కొన్నారు.

ఆంధ్రప్రదేశ్ వార్తలు...విశేషాలు

హైదరాబాద్ కట్టడాలకు యునెస్కో జాబితాలో చేరేందుకు ఛాన్స్ !

హైదరాబాద్ నగరంలోని చారిత్రక ప్రసిద్ధి గాంచిన గోల్కొండ, చార్మినార్, కులీ కుతుబ్‌షాహి టూంబ్స్‌లకు యునెస్కో వారసత్వ సంపద ప్రదేశాల జాబితాలో అరుదైన అవకాశం లభించనుంది. వీటిని యునెస్కో వారసత్వ సంపద ప్రదేశాల జాబితాలో చేర్చేందుకు వీలుగా నామినేషన్ డోసియర్‌ను రాష్ట్ర ప్రభుత్వం 2011, ఫిబ్రవరి నెల మధ్యలో సమర్పించనుంది. భారత్ నుండి ఈసారి పోటీగా ఎటువంటి ప్రదేశాల జాబితాను సమర్పించడం లేదు. దీంతో హైదరాబాద్ నగరానికి చెందిన ఈ ప్రదేశాలకు భారత్ నుండి యునెస్కో మ్యాప్‌లో చోటు దక్కే అవకాశాలు మెరుగయ్యాయని రాష్ట్ర పర్యాటకశాఖ కార్యదర్శి జయేష్ రంజన్ డిసెంబర్ 12న వెల్లడించారు. 'ఎగ్రెడ్ టు హెరిటేజ్ ఆఫ్ హైదరాబాద్' ది నేచురల్ అండ్ ది బిల్ట్' పేరుతో ఆర్కిటెక్ట్ మధు ఒట్టారి రాసిన పుస్తకాన్ని ఆవిష్కరించిన సందర్భంగా మాట్లాడుతూ రంజన్ ఈ విషయం తెలిపారు.

రాష్ట్రంలో తగ్గుతున్న హెచ్ఐవీ కేసులు!

ఆంధ్రప్రదేశ్‌లో హెచ్ఐవీ వ్యాప్తి క్రమంగా తగ్గుముఖం పడుతుండడం ఆనందించాల్సిన విషయం. హెచ్ఐవీపై చేస్తున్న పోరాటం ఫలించడమే ఇందుకు కారణం. హెచ్ఐవీ వ్యాప్తి రేటు ప్రస్తుతం 0.85 శాతంగా ఉంది. ఇది 2008లో 1.22 శాతంగా ఉండేది. రాబోయే రోజుల్లోనూ ఇది మరింత తగ్గే అవకాశాలున్నట్టు వార్తలు వెలువడడం శుభ పరిణామం. హెచ్ఐవీ వ్యాప్తి రేటు ఒకటి కంటే తక్కువ శాతమున్న జిల్లాల సంఖ్య తగ్గుతోంది. 2008లో కేవలం ఎనిమిది జిల్లాలుండగా 2010 నాటికి 17 జిల్లాలు ఒకటి శాతం కన్నా తక్కువ హెచ్ఐవీ రేటు వ్యాప్తి ఉన్న జిల్లాల జాబితాలో చేరాయి.

అయితే గుంటూరు, కడప, కరీంనగర్, మహబూబ్‌నగర్, తూర్పు, పశ్చిమగోదావరి జిల్లాల్లో మాత్రం ఇంకా ఆందోళన కలిగించే రీతిలోనే హెచ్ఐవీ వ్యాప్తి కొనసాగుతోంది. ఇక్కడ హెచ్ఐవీ వ్యాప్తి రేటు ఒకటికంటే ఎక్కువ శాతం ఉంది. మహిళా సెక్స్ వర్కర్లు, ఎంఎస్ఎంలు (పురుషులతో లైంగిక సంబంధం పెట్టుకునే పురుషులు) ట్రక్కర్లు, మైగ్రెంట్స్ వంటి హైరిస్క్ గ్రూప్ (హెచ్ఆర్‌జి) జనాభా విషయంలో తగిన జాగ్రత్తలు తీసుకోవాల్సిన అవసరముంది. ఇదిలా ఉండగా సమగ్ర కౌన్సెలింగ్, పరీక్షా కేంద్రాలు హెచ్ఐవీ వ్యాప్తిని నిరోధించడంలో కీలక పాత్ర పోషిస్తాయి.

ఈ నేపథ్యంలో టెస్టింగ్ ఫెసిలిటీస్‌ను ప్రభుత్వం విస్తృతంగా ఏర్పాటు చేస్తుంది. 2007లో ఈ సంఖ్య కేవలం 677 మాత్రమే. ప్రస్తుతం 1180కి పెరిగాయి. యాంటీ రెట్రోవైరల్ థెరపీ (ఎఆర్‌టి) కేంద్రాల సంఖ్య 17 నుండి 43కు పెరిగాయి.